सोनुभाऊ बसवंत कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, शहापुर, जि. ठाणे

हिन्दी विभाग

वार्षिक गतिविधियाँ

2024-25

महाविद्यालय के विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो इस हेतु इस वर्ष हिन्दी विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया था। ये गतिविधियाँ निम्नांकित है-

❖ 'शोध प्रबंध लेखन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांक 29 जनवरी 2025 को महाविद्यालय के हिंदी विभाग और इतिहास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 'शोध प्रबंध लेखन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुसंधान लेखन के प्रभावी तरीकों से अवगत कराना था।

कार्यशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल सिंह ने की। डॉ. सिंह ने शोध प्रबंध लेखन के महत्व पर विस्तार से मार्गदर्शन किया और विद्यार्थियों को शोध कार्य में ध्यान रखने योग्य पहलुओं के बारे में बताया। उन्होंने शोध के सही तरीके, अनुसंधान प्रक्रिया की प्रमुख अवस्थाएँ और लेखन में स्पष्टता बनाए रखने के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. सिंह ने यह भी कहा कि शोध कार्य में नवीनता और सही दिशा होना जरूरी है ताकि यह समाज के लिए उपयोगी और प्रभावी बने।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में बि. एन. एन. महाविद्यालय, भिवंडी के इतिहास विभाग के प्रमुख प्रो. डॉ. सुरेश भदरगे ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने अनुसंधान लेखन के व्यावहारिक पहलुओं और बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में चर्चा की, साथ ही शोधकर्ताओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों से अवगत कराया।

कार्यशाला का संचालन इतिहास विभाग की प्रोफेसर डॉ. सिमा परटोले ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुसंधान लेखन के तरीकों के साथ-साथ बौद्धिक संपदा अधिकार के महत्व के बारे में बताया। इस दौरान, डॉ. जी.जी. सोनवणे ने अतिथियों का परिचय दिया और कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में कुल 59 विद्यार्थियों ने भाग लिया और उन्हें अनुसंधान लेखन कौशल और बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। समापन सत्र में प्रा. प्रवीण ठाकरे सर ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और कार्यशाला का समापन राष्ट्रगीत से हुआ।

****